ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

आनलाईन कक्षा में सबको स्वागत

कक्षा -६

हिन्दी

पाठ -1

आओ हम अच्छे बने

हमारा देश है श्रमजीवियों का
हम काम चोर हों तो कैसे?
हमारी शाला है विवेकियों की
हम अविवेकी बनें तो कैसे?
आओ! हम अच्छे बनें
भारत की शान बढ़ाएँ|

शब्दार्थ-

कामचोर- आलसी

विवेक- बुद्धिमता

श्रमजीवी- परिश्रमी

शान- वैभव

अर्थ बोध-

हमारा देश कृषक तथा मजदूर लोगों से भरा है।वे परिश्रमी हैं। उनके परिश्रम से ही भारत सुंदर तथा हरा भरा बन पाया है।उस भारत के ही हम नागरिक हैं तो हम काम चोर कैसे बन सकते हैं।

अर्थ बोध-

हमारा देश विवेकियों से भरा है। यहाँ पर वि.आर.अम्बेदकर और स्वामी विवेकानन्द जैसे विवेकवान व्यक्तियों कि जन्म हुआ है।

हमारे देश में महात्मा गांधी,मदर टेरेसा, अब्दुल कलाम जैसे नीतियां लोगों ने जन्म लिया है। जिनके जीवनमूल्यों से हमारा देश इतना आगे बढ़ पाया है।तो हम नीतिहिन नहीं बन सकते हैं।

संबंधित प्रश्न-

१. हम काम चोर क्यों नहीं बन सकते हैं?
२. हम अविवेकी क्यों नहीं बन सकते हैं?
३. भारत का शान कैसे बढ़ सकता है?

गृह कार्य –

कविता को याद करो।

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP